Statement-III

The Composition of Formulary Sub-Committee

1. Hakeem Saif-ud-din Ahmad.....*Chairman*
2. Dr. A.M. Ansari .....Member
3. Hakeem R.L. Verma ..... Member
4. Hakeem S.M. Najmi.....Member
5. Hakeem Qamruz-zaman.....Member
6. Hakeem Mohd. Arshad Sheikh..... Member

Setting up of National Ayurveda Directorate

248. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE
be plegsed to state:

(a) whether Government propose to set up a National Ayurveda Directorate;

(b) if so, what are the details thereof ard the progress made so far;

(c) whether Government propose to set up such a Directorate for Unani system of medicines also; and

(d) if so, the. details thereof; and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D.K. THARA DEVI SIDDHARTHA):
(a) to (d) The question of setting up a Directorate of Indigenous Systems of Medicine and Homoeopathy is dependent on the availability of adequate outlays for the purpose during the VIII Plan.

मानवीय अंगों को बेचने वाले कुष्ठ संस्थान

249. डा0 रत्नाकर पाण्डेय :
श्री राम चन्द्रन पिल्लै :
श्री रजनी रंजन साहू :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश के कुष्ठ संस्थान कुष्ठ रोगियों के गुर्दे और उनकी आंखें निकालने के धंधे में लगे हुए हैं, जैसा कि टि पैक 16 जनवरी, 1992 के द टाइम्स आफ इंडिया में समाचार प्रकाशित हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या इन संस्थानों के कर्मचारियों के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं; और

(घ) सरकार ने प्रभावित कुष्ठ रोगियों के लिए क्या कुछ किया है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी0के0 हारा देवी सिद्धार्थ) : (क) सरकार को 16 जनवरी, 1992 को टाइम्स आफ इंडिया में "कुष्ठरोग संस्थान द्वारा रोगी के अंगों की बिक्री" नामक शीर्षक से प्रकाशित समाचार की जानकारी है ।

(ख) भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई सी एम आर) ने सूचित किया है कि केन्द्रीय जाल्मा कुष्ठरोग संस्थान, आगरा जो भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् का स्थायी संस्थान है, के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की जांच की गई है जिन्हें निराधार पाया गया है ।

जाल्मा संस्थान केवल कुष्ठरोग अनुसंधान और कुष्ठरोगियों की परिचर्या और इलाज के कार्य में ही लगा हुआ है । कुष्ठरोगियों की परिचर्या और इलाज का लक्ष्य इस रोग का उन्मूलन करना है तथा रोगी की ऐसी शल्यचिकित्सा करना है जिससे कि वह चिकित्सा के पश्चात्